माननीय केंद्रीय बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग मंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल यांनी जनेपप्रा येथे कृषी मालावर आधारीत प्रक्रिया आणि साठवण सुविधा विकसित करण्यास मान्यता दिली.

मुंबई, २२ जुलै, २०२४: जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेपप्रा) - भारतातील सर्वोत्कृष्ट कामगिरी करणाऱ्या बंदराला माननीय केंद्रीय बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल यांनी देशांतर्गत कृषी आधारीत आयात- निर्यात मालावर प्रक्रिया आणि साठवण सुविधा विकासाला १९ जुलै २०२४ रोजी मान्यता दिली. ही जेएन पोर्टद्वारे प्रदान केलेली भारतातील पहिली सुविधा आहे.

या उपक्रमाविषयी बोलताना, श्री उन्मेष शरद वाघ, आयआरएस, जनेपप्राचे अध्यक्ष म्हणाले, “मंत्रालयाने 'बंदराच्या नेतृत्वाखालील विकास' आणि जनेपप्राच्या 'पोर्टच्या माध्यमातून औद्योगीकरणाच्या प्रयत्नांबद्दल मांडलेल्या थीमचे अनुसरण करून आम्ही कृषी आधारीत आयात- निर्यात मालावर प्रक्रिया आणि साठवण सुविधा विकसित करत आहोत. प्रक्रिया आणि साठवण सुविधा बहुविध हाताळणी, अस्वच्छ साठवण यामुळे होणारा अपव्यय कमी करणे आणि विविध उत्पादनांचे मुदत वाढवणे हा प्रकल्पाचा प्राथमिक उद्देश आहे. हा उपक्रम सर्वसमावेशक पोर्ट इकोसिस्टम तयार करण्याच्या उद्देशाशी संरेखित करतो.”

27 एकर जागेवर प्रस्तावित सुविधा नियोजित असून हे प्रक्रिया, वर्गीकरण, पॅकिंग आणि प्रयोगशाळा सुविधांसह सर्वसमावेशक सेवा प्रदान करण्यासाठी डिझाइन केले आहे, अन्न सुरक्षा आणि व्यापार नियमांचे पालन सुनिश्चित करण्याच्या त्याच्या वचनबद्धतेवर जोर देते. हे केवळ महाराष्ट्रातीलच नव्हे तर मध्य प्रदेश आणि गुजरातसारख्या इतर राज्यांच्या कृषी मालाची पूर्तता करेल.

कोल्ड स्टोरेजसारख्या अत्यावश्यक सुविधांचा समावेश करण्यासाठी निर्यात पायाभूत सुविधा धोरणात्मकरीत्या तयार करण्यात आल्या आहेत.

- उत्पादन ताजेपणा आणि दर्जेदार प्री-कूलिंग: सुविधा राखण्यासाठी अत्यंत महत्त्वाचे तापमान व्यवस्थापन सुनिश्चित करत आहेत.
- फ्रोझन स्टोरेज: पोत, चव आणि पौष्टिक मूल्य टिकवून ठेवण्यासाठी डीप फ्रीझ परिस्थिती आवश्यक असलेल्या वस्तूंना सामावून घेण्यासाठी डिझाइन केलेले.
- ड्राय वेअरहाऊस: नाशवंत वस्तूंसाठी सुरक्षित स्टोरेज सोल्यूशन्स प्रदान करणे, त्यांचे पर्यावरणीय घटकांपासून संरक्षण करते.

आयातीच्या बाजूने, सुविधा या क्षमतांना समर्पित गोठविलेल्या आणि कोल्ड स्टोरेज पर्यायांसह, कोरड्या गोदामांसह, आयात केलेल्या वस्तूंसाठी अखंड हाताळणी आणि साठवण उपाय सुनिश्चित करेल.

प्रगत तंत्रज्ञान आणि कार्यक्षम प्रक्रिया आणि जतन तंत्रांसह, सुविधा कापणीनंतरचे नुकसान लक्षणीयरीत्या कमी करण्यासाठी सज्ज आहे, ज्यामुळे संपूर्ण कृषी पुरवठा साखळीवर सकारात्मक परिणाम होतो, अंदाजे २८५ कोटी रुपयांचा हा प्रकल्प सार्वजनिक-खाजगी भागीदारी (पीपीपी) मध्ये कार्यान्वित केला जाईल. मोड आणि डिझाइन-बिल्ड-फायनान्स-ऑपरेट-ट्रान्सफर (डीबीएफओटी ) मॉडेल, इच्छुक कंपन्या जनेपप्राच्या वेबसाइट www.jnport.gov.in वरून निविदा दस्तऐवज डाउनलोड करू शकता किंवा सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टलवर लॉग इन करू शकता ( https://eprocure.gov.in/eprocure/app ).

हा उपक्रम भारताच्या कृषी आणि बंदर क्षेत्रासाठी एक महत्त्वपूर्ण पाऊल आहे. हा प्रकल्प जनेपप्राची शाश्वततेची अटळ वचनबद्धता अधोरेखित करतो आणि जागतिक कृषी क्षेत्रामध्ये भारताचे स्थान मजबूत करतो. हे प्रक्षेपण भारताच्या कृषी क्षेत्राच्या उत्क्रांतीत एक महत्त्वपूर्ण टप्पा ठरेल, अशी अपेक्षा आहे.

जनेपप्रा बद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेपप्रा) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापन झाल्यापासून, जनेपप्राने बल्क कार्गो टर्मिनलमधून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतर केले आहे. अशा प्रकारे, जनेपप्राच्या समृद्ध अनुभवाचा फायदा घेऊन, भारत सरकारने प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीची जबाबदारी जनेपप्रावर सोपवली आहे.
सध्या, जनेपप्रा पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते - एनएसएफटी, एनएसआयटी, एनएसआयजीटी, बीएमसीटी आणि एपीएमटी. बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेपप्रा पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.
२७७ हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेपप्रा भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहु-उत्पादन एसईजेड देखील चालवते.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:
जनेपप्रा:
अंबिका सिंग
सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेपप्रा
मोबाईल क्र.:+९१९७६९७६९१००
ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in

# केंद्रीय मंत्री पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय श्री सर्बानंद सोनोवाल ने जनेपप्रा में कृषि वस्तु आधारित प्रसंस्करण और भंडारण सुविधा के विकास को मंजूरी दी।

**मुंबई, 22 जुलाई, 2024:** भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेपप्रा) को आंतरिक कृषि वस्तु आधारित आयात-निर्यात विकास प्रसंस्करण और भंडारण सुविधा के लिए माननीय केंद्रीय मंत्री पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय श्री सर्बानंद सोनोवाल ने द्वारा मान्यता 19 जुलाई 2024 को दी गई है। यह भारत में जेएन पोर्ट द्वारा प्रदान की गई पहली सुविधा है।

इस प्रोजेक्ट के बारे में बोलते हुए, श्री उन्मेष शरद वाघ, आईआरएस, अध्यक्ष, जनेपप्रा ने कहा, 'बंदरगाह आधारित विकास' मंत्रालय द्वारा निर्धारित थीम और जनेप्रा के 'बंदरगाह आधारित औद्योगिकीकरण' प्रयासों के बाद, हम आंतरिक कृषि धिकरण (जनेपप्रा) को आंतरिक विकास कर रहे हैं। प्रसंस्करण और भंडारण सुविधाएं परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य एकाधिक हैंडलिंग, अस्वास्थ्यकर भंडारण के कारण होने वाली बर्बादी को कम करना और विभिन्न उत्पादों की शेल्फ लाइफ को बढ़ाना है। यह पहल एक समावेशी बंदरगाह पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से संरेखित है।

प्रस्तावित सुविधा 27 एकड़ भूमि पर बनाई जाएगी और इसे प्रसंस्करण, छंटाई, पैकिंग और प्रयोगशाला सुविधाओं सहित व्यापक सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो खाद्य सुरक्षा और व्यापार विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर बल देता है और न केवल महाराष्ट्र बल्कि मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे अन्य राज्यों की कृषि वस्तुओं की भी आपूर्ति करेगा।

कोल्ड स्टोरेज जैसी आवश्यक सुविधाओं को शामिल करने के लिए निर्यात बुनियादी ढांचे को रणनीतिक रूप से बनाया गया है। उत्पाद की ताजगी और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इष्टतम तापमान प्रबंधन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

- प्री-कूलिंग सुविधाएं: परिवहन में खराब होने वाली वस्तुओं को तैयार करने और यात्रा के दौरान उनकी अखंडता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।
- जमे हुए भंडारण: उन वस्तुओं को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिन्हें बनावट, स्वाद और पोषण मूल्य बनाए रखने के लिए गहरी फ्रीजिंग स्थितियों की आवश्यकता होती है।
- ड्राई वेयरहाउस: खराब होने वाले सामानों के लिए सुरक्षित भंडारण समाधान प्रदान करता है, उन्हें पर्यावरणीय तत्वों से बचाता है।

आयात पक्ष पर, यह सुविधा इन क्षमताओं के लिए समर्पित फ्रोजन और कोल्ड स्टोरेज विकल्पों के साथ सूखे गोदामों सहित आयातित सामानों के लिए निर्बाध हैंडलिंग और भंडारण समाधान सुनिश्चित करेगी।

उन्नत तकनीक और कुशल प्रसंस्करण और संरक्षण तकनीकों के साथ, यह सुविधा फसल कटाई के बाद के नुकसान को काफी हद तक कम करने के लिए तैयार है, जिससे संपूर्ण कृषि आपूर्ति श्रृंखला पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मोड और डिज़ाइन-बिल्ड-फ़ाइनेंस-ऑपरेट-ट्रांसफ़र (डीबीएफओटी) मॉडल।

इच्छुक कंपनियां जनेपप्रा वेबसाइट www.jnport.gov.in से निविदा दस्तावेज डाउनलोड कर सकती हैं या सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (https://eprocure.gov.in/eprocure/app) पर लॉग इन कर सकती हैं।

यह पहल भारत के कृषि और बंदरगाह क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना स्थिरता के प्रति जनेपप्रा की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और वैश्विक कृषि क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत करती है। यह लॉन्च भारत के कृषि क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है।

जनेपप्रा के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जनेपप्रा) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेपप्रा एक थोक कार्गो टर्मिनल से देश में एक प्रमुख कंटेनर बंदरगाह में बदल गया है। इस प्रकार, जनेपप्रा के समृद्ध अनुभव का लाभ उठाते हुए, भारत सरकार ने जनेपप्रा को परियोजना कार्यान्वयन का काम सौंपा।

वर्तमान में, जनेपप्रा पांच कंटेनर टर्मिनल संचालित करता है - एनएसएफटी, एनएसआईटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जनेपप्रा पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आयओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, नवनिर्मित तटीय घाट अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तट के साथ कंटेनर यातायात बढ़ाता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर स्थित, जनेपप्रा भारत के निर्यात-उन्मुख उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए बहु-उत्पादन एसईजेड का भी संचालन करता है।

मीडिया पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें:

जनेपप्रा:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेपप्रा

मोबाइल नंबर:+919769769100

ई-मेल: ambikasingh@jnport.gov.in

# Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping, and Waterways, Shri Sarbananda Sonowal Approves the Development of an Agricultural Commodity-based Processing & Storage Facility at JNPA

**Mumbai, July 22, 2024:** The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) - India's Best Performing Port, received approval from the Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping, and Waterways, Shri Sarbananda Sonowal for the Development of Export-Import cum Domestic Agricultural Commodity-based Processing & Storage Facility at JNPA on July 19th, 2024. This is India's first one-of-its-kind facility provided by JN Port.

Speaking about the initiative, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA, said, "Following the theme laid by the ministry about the 'port-led development' and JNPA's efforts for 'Port led industrialisation' we are developing Domestic Agricultural Commodity based Processing & Storage Facility. The primary objective of the project is to mitigate wastage due to multiple handling, and unhygienic storage and extend the shelf life of a variety of produce. This initiative aligns with our aim to create a comprehensive port ecosystem."

The proposed facility is planned on 27 acres of land and is designed to provide comprehensive services including processing, sorting, packing, and laboratory facilities, emphasizing its commitment to ensuring compliance with food safety and trade regulations and shall cater to the agricultural commodities not only of Maharashtra but also of other states such as Madhya Pradesh and Gujarat.

The export infrastructure is strategically designed to include essential facilities such as:

- Cold Storage: Ensuring optimal temperature management crucial for preserving product freshness and quality.
- Pre-cooling Facilities: Vital for preparing perishable goods for transport, and maintaining their integrity throughout the journey.
- Frozen Storage: Designed to accommodate goods requiring deep freeze conditions to preserve texture, taste, and nutritional value.
- Dry Warehouses: Providing secure storage solutions for non-perishable goods, safeguarding them from environmental factors.

On the import side, the facility will mirror these capabilities with dedicated frozen and cold storage options, along with dry warehouses, ensuring seamless handling and storage solutions for imported goods.

With advanced technology and efficient processing and preservation techniques, the facility is poised to significantly reduce post-harvest losses, thereby positively impacting the entire agricultural supply chain. The project, estimated at Rs 285 crores, will be executed in a Public-Private Partnership (PPP) mode and Design-Build-Finance-Operate-Transfer (DBFOT) model. Interested companies can download the tender document from JNPA's website, www.jnport.gov.in OR log on to the Central Public Procurement Portal (https://eprocure.gov.in/eprocure/app).

This project underscores JNPA's unwavering commitment to sustainability, and fortifying India's position in the global agricultural landscape. The launch is anticipated to mark a significant milestone in the evolution of India's agricultural sector.

**About JNPA:**

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country. As such, leveraging on the rich experience of JNPA, the Govt of India has entrusted the implementation of the project to JNPA.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

**For media enquiries, please contact:**

JNPA:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919769769100
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in